पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.04.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना शिविर

दिनांक 8 जून से
16 जून 2024 तक
राजकीय कन्या विद्यालय,
ग्राम व डाक खाना—गंधारा,
तहसील सांपला, जिला रोहतक
में आयोजित किया जाएगा।
सम्पर्क: मृदुला चौहान,
9810702760

वर्ष-40 अंक-21 चैत्र-2081 दयानन्दाब्द 201 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2024 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.04.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

93वे बलिदान दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

शहीदों का बलिदान युवाओ को प्रेरणा देता रहेगा —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

महात्मा गांधी चाहते तो फांसी रुक सकती थी —आर्य रविदेव गुप्ता

शनिवार 23 मार्च 2024, आर्य समाज लाजपत नगर के प्रधान राजेश मेहंदीरता व इंदिरा मेहन्दीरता का अभिनंदन करते अनिल आर्य, पिंकी आर्य, आचार्य विद्याप्रसाद मिश्र, ओम प्रकाश यजुर्वेदी। द्वितीय चित्र में—शहीद स्मृति अवार्ड से सम्मानित आर्य रविदेव गुप्ता, रविन्द्र आर्य, सुरेंद्र गुप्ता, प्रवीण आर्य, विद्या प्रसाद मिश्र, राजेश मेहन्दीरता आदि।

शनिवार 23 मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के 93 वे बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में आर्य समाज लाजपत नगर, नई दिल्ली में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आर्य गायक अंकित उपाध्याय व प्रवीन आर्य पिंकी के देश भक्ति गीतों ने समा बाँध दिया। सुरेन्द्र तलवार, अजय कपूर ने भी अपनी प्रस्तुति दी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा जिससे देश आजाद हुआ उनके बलिदान को नई पीढ़ी को बतलाने की आवश्यकता है उनका बलिदान युवाओ को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। महर्षि दयानन्द सरस्वती युग पुरुष थे और क्रान्तिकारियों के आदर्श रहे। आर्य रवि देव गुप्ता ने कहा कि क्रांतिकारी अपने दिल में आजादी का ज़ज्बा लिए हुए थे इसलिए राष्ट्र की बलिवेदी पर अर्पित हो गए यदि महात्मा गांधी चाहते तो इनकी फांसी की सजा रुक सकती थी। आर्य समाज के प्रधान राजेश मेहंदीरता ने सभी का आभार व्यक्त किया और आचार्य महेन्द्र भाई ने शान्ति पाठ किया। प्रमुख रूप से वैदिक विद्वान आचार्य विद्याप्रसाद मिश्र ,आचार्य मेघ श्याम वेदांलंकार ने मार्ग दर्शन दिया। वीएचपी नेता विनोद बंसल, सुरेन्द्र शास्त्री, भारत भूषण कपूर, यशोवीर आर्य, रामकुमार आर्य, सुरेश आर्य , प्रवीण आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री, महेन्द्र जेटली, सुरेंद्र गुप्ता, विजय मलिक, ओम प्रकाश छाबड़ा, रामफल खरब, मनमोहन सपरा, हरि चंद, ऋचा गुप्ता, अर्चना मोहन, रोहित कुमार सिंह, डॉ. विपिन खेड़ा, सोनिया संजू।

आर्य समाज लाजपत नगर के प्रांगण में उपस्थित विशाल जन समूह। दक्षिण दिल्ली की 32 आर्य समाजों से अधिकारियों ने भाग लिया।

तपोवन आश्रम देहरादून चलो

वैदिक साधन आश्रम नाला पानी, देहरादून का वार्षिक ग्रीष्मकालीन उत्सव
दिनाँक 16 मई से 19 मई 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। सभी आर्य ज़न सादर आमंत्रित हैं।
—प्रेमप्रकाश शर्मा, मंत्री, मो. 9412051586

जम्मू आर्य युवा शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर का वार्षिक युवा शिविर
दिनाँक 9 जून से 16 जून 2024 तक आर्य समाज जानीपुर कॉलोनी, जम्मू में आयोजित किया जा रहा है।
—सुभाष बब्बर, प्रान्तीय अध्यक्ष, मो. 9906094065

आर्य समाज पूर्वी पंजाबी बाग में भव्य यज्ञ शाला का उद्घाटन

रविवार 24 मार्च 2024, आर्य समाज पूर्वी पंजाबी बाग, दिल्ली में एमडीएच के अध्यक्ष श्री राजीव गुलाटी ने यज्ञशाला का उद्घाटन किया। चित्र मे परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रधान रवि चड्ढा, क्रान्ति तनेजा आदि।

आर्य समाज मस्जिद मोठ में दयानन्द दशमी सम्पन्न

रविवार 17 मार्च 2024, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मंडल के तत्वावधान में 'दयानन्द दशमी' पर्व आर्य समाज मस्जिद मोठ नई दिल्ली में आयोजित किया गया। चित्र में आर्य समाज हौज खास के प्रधान विद्या भूषण गुप्ता को सम्मानित करते अनिल आर्य, आर्य रविदेव गुप्ता, प्रकाश वीर शास्त्री आदि। द्वितीय चित्र में चतर सिंह नागर का अभिनंदन करते अनिल आर्य, आर्य रविदेव गुप्ता, रविन्द्र आर्य व गीता झा।

आर्य समाज वसंत कुंज व मॉडल बस्ती में होली उत्सव सम्पन्न

रविवार 10 मार्च 2024, आर्य समाज वसंत कुंज नई दिल्ली में होली पर्व मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वी के गंगन व संतोष गंगन का अभिनंदन करते अनिल आर्य, प्रधान कमांडर पी सी बक्शी, अतुल सहगल। कुशल संचालन विद्ययोंतमा व प्रवीण झा ने किया। द्वितीय चित्र में आर्य समाज मॉडल बस्ती दिल्ली में आयोजित होली मंगल मिलन समारोह में अनिल आर्य, जय प्रकाश शास्त्री, रमेश बेदी, सन्तोष शास्त्री, प्रधान आलोक शर्मा, कुंवर पाल शास्त्री। मंत्री आदर्श आहूजा ने कुशल संचालन किया।

निमन्त्रणः केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की बैठक 7 अप्रैल का

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक **रविवार 7 अप्रैल 2024** को प्रातः 11.30 बजे **सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा मुख्यालय दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड, नई दिल्ली** में बुलायी गयी है। बैठक में गत कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी एवं विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनाँक 1 जून से 9 जून 2024 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44, नोएडा की व्यापक तैयारी पर विचार किया जाएगा।

सभी प्रान्तीय अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष अपने अपने राज्यों, जिलों के शिविर की रूपरेखा आदि तैयार करके लाए। बैठक के पश्चात् दोपहर 2.00 बजे 'प्रीति भोज' ग्रहण करे।

भवदीयः

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष | महेन्द्र भाई, महामंत्री | धर्मपाल आर्य, कोषाध्यक्ष

युवा निर्माण से होगा राष्ट्र निर्माण ।। ओ३म् ।। हे कर्मशील मनुष्य तू कर्म कर

शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कु. चौहान के सानिध्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय शिविर

ओ३म् बलमुपास्व

शनिवार 1 जून से रविवार 9 जून 2024 तक

विशाल आर्य युवक चरित्र व व्यक्तित्व निर्माण शिविर

स्थानः ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल सैक्टर–44, नोएडा

उद्घाटन समारोह **भव्य समापन समारोह**

शनिवार 1 जून, शाम 5 बजे से 7 बजे तक ✸ **रविवार 9 जून, प्रातः 11 से 1:00 बजे तक**

नयी पीढ़ी को मातृ–पितृ भक्त, ईश्वर भक्त एवं देशभक्त बनाने का संकल्प

राष्ट्रीय भावना, अनुशासित जीवन, नैतिक शिक्षा तथा युवा पीढ़ी को महर्षि दयानन्द जी की विचारधारा से ओतप्रोत करने तथा शारीरिक व बौद्धिक रूप से सक्षम बनाने तथा उच्चकोटि के व्यायामाचार्यों द्वारा योगासन, ध्यान, प्राणायाम, दण्ड–बैठक, लाठी, जूडो–कराटे, बाक्सिंग, स्तूप आदि आत्मरक्षा सम्बन्धी शिक्षण के साथ–साथ वैदिक विद्वानों द्वारा सन्ध्या, यज्ञ, आर्य संस्कृति व वैदिक सिद्धान्तों पर चर्चा, भाषण कला, नेतृत्व कला व आत्मविश्वास के विकास हेतु शिविर का आयोजन।

योग साधना शिविरः इसके साथ ही चलेगा जिसमें महिला–पुरूष दोनों भाग ले सकेंगें–शुल्क 500/– रूपये

आवश्यक नियम व निर्देश :– (1) इच्छुक नवयुवक 250 रू० प्रवेश शुल्क सहित प्रवेश पत्र भरकर **अंतिम तिथि 20 मई 24** तक अपना स्थान सुरक्षित करवा लें। (२) **सभी शिविरार्थी १ जून को दोपहर १ बजे तक शिविर स्थल पर रिपोर्ट करें** (३) पूर्ण वेशभूषा–सफेद टी शर्ट, सफेद सैण्डो बनियान, सफेद निक्कर, सफेद जुराब, सफेद कपड़े के जूते, कान तक की लाठी, टार्च, सन्ध्या यज्ञ की पुस्तक, कापी, पैन, कुर्ता पायजामा व ऋतु अनुकूल बिस्तर भी साथ लायें। (4) आवश्यक बर्तन थाली, कटोरी, मग, गिलास आदि भी साथ लायें (5) आयु 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के युवक शिविर में भाग ले सकते हैं। (6) अनुशासन व दैनिक दिनचर्या प्रातः 4 बजे से रात्री 10 बजे तक का पालन करना अनिवार्य होगा। (7) परिषद् की ओर से भोजन व आवास प्रबन्ध निःशुल्क रहेगा।

बौद्धिक : सर्वश्री डॉ. जयेन्द्र आचार्य, रविदेव गुप्ता, विजय भूषण आर्य, गवेन्द्र शास्त्री, विमलेश बंसल, श्रुति सेतिया, ऋचा गुप्ता
शिक्षक गण: सर्वश्री मनोज नागर, योगेन्द्र शास्त्री, विरेन्द्र आर्य, विकास कुमार, नसीब सिंह, मानवेन्द्र शास्त्री, रोहित कुमार
प्रबन्धकगण : प्रि. रेणू सिंह, प्रताप सिंह, पिंकी आर्या, यज्ञवीर चौहान, कै. अशोक गुलाटी, कमल आर्य, माधवसिंह आर्य, गौरव झा, देवेन्द्र गुप्ता, संतोष शास्त्री, विरेश आर्य, दिनेश आर्य, अजेन्द्र शास्त्री, विवेक अग्निहोत्री, त्रिलोक आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री

दानी महानुभावों की सेवा में अपील

आप जानते ही हैं कि इस विशाल रचनात्मक आयोजन में नौ दिन तक तीन समय के प्रातः राश तथा भोजन प्रबन्ध पर हजारों रूपये व्यय हो जाता है जो कि आपके स्नेह व सहयोग से ही पूरा होना है। अतः आपसे अनुरोध है कि राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ को सफल बनाने के लिए आप अपनी ओर से, अपनी आर्य समाज या मित्रों की ओर से अधिक से अधिक सहयोग करवाने की कृपा करें। कृपया समस्त क्रास चैक/ड्राफ्ट "**केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली**" के नाम से भिजवाने की कृपा करें। आप ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, शुद्ध घी, रिफाइण्ड, मसाले, पाउडर दूध, सब्जी, दलिया के रूप में भी सामान भिजवाकर सहयोग कर सकते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आप अपनी ओर से तथा अपने इष्ट मित्रों से भी अधिक से अधिक सहायता राशि भिजवाने की कृपा करेंगे ।

स्वागत समिति : सर्वश्री जितेन्द्र डावर, प्रमोद चौधरी, कपिल कुमार राय, सुशील सलवान, डॉ. डी.के. गर्ग, जितेन्द्र नरूला, मायाप्रकाश त्यागी, डॉ. आर. के. आर्य, वीरेन्द्र महाजन, चतरसिंह नागर, रामकृष्ण तनेजा, ओम सपरा, अर्चना पुष्कर्णा, के.एल. पुरी, अरूण बंसल, विनोद त्यागी, पूजा सलूजा, अजय पथिक, देवेन्द्र आर्य बन्धु, अविनाश बंसल अमीरचन्द रखेजा, ब्रजेश गुप्ता, अशोक सरदाना, प्रेम सचदेवा, के.एल. वर्मा, मदनलाल आर्य, प्रवीन तायल, प्रदीप गोयल, अनिल मित्रा, राजेन्द्र वर्मा, एस.पी. जून, रामकुमार बरार, मनोज दुआ, डॉ. मुकेश आर्य, रवि चड्डा, लक्ष्मी चन्द गुप्ता, सुरेन्द्र शास्त्री, सुरेन्द्र गुप्ता, कै. रूद्र सैन सिंधु, ममता शर्मा, कृष्णा पाहुजा, अमरसिंह सहरावत, कौशल्या रानी, वरूण आर्य, रमेश गाडी, डा. गजराज सिंह आर्य, संजीव महाजन, सुमित चौधरी, रमा–यशपाल चावला, डॉ. रचना चावला, सुनीता बुग्गा, राकेश चोपड़ा, भारतभूषण साहनी, संजीव सिक्का, नरेन्द्र आर्य सुमन, रमेश छाबड़ा, अशोक जेठी, एच.आर. साहनी, नरेन्द्र कालरा कस्तूरीलाल मक्कड़, डालेश त्यागी, ज्योति ओबराय, पुष्पलता वर्मा, अंजू जावा, आदर्श आहूजा, विरेन्द्र आहुजा, डिम्पल भंडारी, सीमा ढींगरा, सुभाष आर्य, यशपाल आर्य, इन्द्रजीत महाजन, सहदेव नांगिया, वीरेश भाटी, चन्द्रमोहन कपूर, प्रि. अंजु महरोत्रा, अरूण अग्रवाल, स्वदेश शर्मा, राजेश मेहन्दीरत्ता, आर.पी. सूरी, के.के. यादव, सुरेश आर्य, सुशीला गम्भीर, धर्मपाल परमार, महेन्द्र मनचन्दा, अरविन्द आर्य, बलदेव गुप्ता, सी.ए. हंसराज चुघ, विपिन मित्तल, वेदप्रकाश आर्य, मधु सिंह, रजनी गर्ग, ओमप्रकाश आर्य, डॉ. विपिन खेड़ा, पुनीता चौधरी, मंजुला कुकरेजा, महेन्द्र जेटली, संतोष वाधवा, अमरनाथ बत्रा, विजय कपूर, सुशील बाली।

निवेदक

				स्वागताध्यक्ष
अनिल आर्य	आनन्द चौहान	ठाकुर विक्रम सिंह	यशोवीर आर्य	अजय चौहान
राष्ट्रीय अध्यक्ष	शिविर संरक्षक	मे.जन. आर.के.एस. भाटिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	योगराज अरोड़ा
				रामलुभाया महाजन
महेन्द्र भाई	दुर्गेश व सुरेश आर्य	ब्रि. मुक्तिकांत महापात्रा	राम कुमार सिंह	आनन्द प्रकाश आर्य
राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय मंत्री	मधु भसीन	प्रान्तीय संचालक	राष्ट्रीय मंत्री
धर्मपाल आर्य	अरूण आर्य, सौरभ गुप्ता	गायत्री मीना	प्रवीण आर्य, विकास गोगिया	देवेन्द्र भगत
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	प्रबन्धक / शिक्षक	स्वागताध्यक्ष	प्रचार मंत्री	राष्ट्रीय मन्त्री

कार्यालयः आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली–110007, फोन : 9810117464, 9013137070, 9818530543, 9971467978
Website : www.aryayuvakparishad.com • Email : aryayouth@gmail.com
join - http://www.facebook.com/group/aryayouth • aryayouthgroup@yahoogroups.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 629वां वेबिनार सम्पन्न

'गायत्री महिमा' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

गायत्री यश कीर्ति प्रदान करती है –साध्वी रमा चावला

सोमवार 18 मार्च 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'गायत्री मंत्र की महिमा' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। य़ह कोरोना काल से 626 वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी साध्वी रमा चावला ने कहा कि गायत्री की महिमा अपरंपार है।उन्होंने कहा कि गायत्री मंत्र को सावित्री मंत्र, गुरु मंत्र,महामंत्र और गायत्री मंत्र भी कहा जाता है।गायत्री का गायंते त्रायते इति गायत्री अर्थात इस तरह गायत्री गाते गाते यह तार देती है।इसका साधारण अर्थ है प्राण स्वरूप प्राणों से प्यारा,दुख विनाशक,वरणीय,तेजस्वी परमात्मा हम आपको अपनी बुद्धियों में धारण करते हैं जो हमेशा हमारी बुद्धियों को सन्मार्ग की ओर ले चले।मंत्र को जपते जपते बुद्धि कुशाग्र हो जाती है तथा मनुष्य कुपथ छोड़कर सन्मार्ग की और अग्रसर हो जाता है।वह चुगली,ईर्षाद्वेष छोड़ विवेक से भर जाता है और समय का सदुपयोग कर पाता है गायत्री उपासक यश कीर्ति ही नहीं पाता बल्कि परलोक में भी उसे आनंद की प्राप्ति होती है।उसका अंतःकरण शुद्ध हो जाता है आत्मा पवित्र हो जाती है अतः एक गायत्री उपासक को सदैव ही स्वाध्याय भी करना चाहिए ताकि वह वेदानुकूल चल सके और संसार में रहते हुए मूल में भूल न कर पाए और सांसारिक दलदल में फंसने से बच जाए।गायत्री वह भट्टी है जिसके धधकते भूरू भुवरू, स्वरू,रूपी प्रकाश अंगारों में समस्त पांचो क्लेश विद्या, अस्मिता,राग द्वेष भस्म होकर विद्या के फूल खिल जाते हैं अर्थात जब मनुष्य गायत्री का जप अष्टांग योग के द्वारा निरंतर करता है तथा उसका चिंतन मनन धारण करता है तो ऐसा करते–करते उसमें श्रद्धा और वैराग्य बढ़ जाता है। वह ध्यान की ओर बढ़ना शुरू कर देता है धीरे–धीरे समाधि और अंत में मोक्ष की ओर अग्रसर हो जाता है वास्तव में मोक्ष तक पहुंचाने की यह सबसे उत्तम सीढ़ी है और जब ऐसा ज्ञान हो जाता है तो साधक प्रफुल्लित, प्रसन्न होकर परमानंद को पा जाता है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री उषा सूद व अध्यक्ष विमला आहूजा ने भी दैनिक जीवन में गायत्री मंत्र के पाठ करने का आह्वान किया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि गायत्री का उपासक बुद्धि को प्राप्त करता है।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कमला हंस, सन्तोष धर, करुणा चांदना के मधुर भजन हुए।

628 वे वेबिनार में होली के सनातन रूप की चर्चा

होली द्वेष दहन का पर्व है –अतुल सहगल

सोमवार 25 मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'होली का सनातन स्वरूप' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। य़ह करोना काल से 628 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने त्यौहारों की चर्चा करते हुए कहा की त्यौहार, धार्मिक उत्सव एवं व्रत भारतीय समाज के जीवन का अभिन्न अंग हैं स होली भी संक्रांति के समान एक पर्व है स षडविकारों पर विजय प्राप्त करने का माध्यम है स इसीलिए होली को उत्सव के रूप में मनाते हैं। होली अग्निदेवता का पर्व है। इस दिन अग्नि देव का आह्वान होली जला के किया जाता है। यह अग्निहोत्र यज्ञ ही है। इस दिन अग्निहोत्र करने से व्यक्ति को विशेष तेजतत्व का लाभ होता है। इससे व्यक्ति में रजस और तमस की मात्रा घटती है। इससे समय पर और अच्छी वर्षा होने के कारण सृष्टि संपन्न बनती है स उन्होने फिर भविष्य पुराण की एक कथा प्रस्तुत करते हुए होली के पर्व की परंपरा का ऐतिहासिक घटना प्रसंग प्रस्तुत किया। होली का सम्बन्ध मनुष्य के व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन से तो है ही, नैसर्गिक, मानसिक और आध्यात्मिक पहलुओं से भी है। यह बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। दुष्ट प्रवृत्ति एवं अमंगल विचारों का नाश कर, सदप्रवृत्ति का मार्ग दिखानेवाला यह उत्सव है। अध्यात्मिक साधना में अग्रसर होने हेतु बल प्राप्त करने का यह अवसर है स वक्ता ने उसके बाद शास्त्रानुसार होली मनाने की पद्धति का विवरण दिया। होली की रचना करते समय उसका आकार शंकुसमान होने का शास्त्राधार प्रस्तुत किया। होली में अर्पण करने के लिए मीठी रोटी बनाने का शास्त्रीय कारण भी बताया स पर्व के आध्यात्मिक तथ्यों को छूते हुए यह कहा कि यह पर्व द्वेष के दहन का पर्व है। द्वेष क्रोध से उपजता है और क्रोध से ही ईर्ष्या भी उत्पन्न होती है। दैनिक संध्या के छै मनसा परिक्रमा मन्त्रों में द्वेष दहन की बात ही आयी है। हम अपने परस्पर द्वेषभाव को ईश्वर के न्यायरूपी सामर्थ्य पर छोड़ दें। होली फाल्गुण पूर्णिमा का महायज्ञ है। प्रेम और बंधुत्व की वृद्धि इस पर्व का प्रयोजन है। प्रेम और द्वेष के अध्यात्मिक अर्थ लेते हुए यह कहा कि द्वेष का कारण क्रोध और क्रोध का कारण अज्ञान है और अज्ञान का कारण मौलिक दिव्य ईश्वरीय वेद ज्ञान से विमुख हो जाना है। पर्व पद्धतियाँ वेद और आर्ष ग्रंथों के अनुरूप ही रखें स इधर उधर भटकने से जीवन में विकृतियाँ आती हैं स राग रंग का अपना महत्व है। लेकिन पर्व में आडम्बर, दिखावे और अभद्र व्यवहार से बचें। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री अर्चना मोहन व अध्यक्ष यशोवीर आर्य ने होली को सामाजिक समरसता का पर्व बताया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, रजनी गर्ग, राजश्री यादव,जनक अरोड़ा, सुनीता अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

'राष्ट्र चेतना के ऋषि महर्षि दयानन्द' पर गोष्ठी सम्पन्न

शिक्षा अध्यात्म व चारित्रिक विकास का स्रोत है –डॉ. रामचन्द्र (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय)

शुक्रवार 22 मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'राष्ट्र चेतना के ऋषि महर्षि दयानन्द' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। वैदिक विद्वान डॉ. राम चन्द्र (विभागाध्यक्ष संस्कृत, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने भारत की राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने के सभी पक्षों पर महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिक्षा व्यवस्था, राजधर्म, इतिहास, स्त्री शिक्षा, आर्ष गुरुकुल परम्परा, कृषि एवं गो रक्षा तथा वेदोद्धार आदि विविध हर क्षेत्र में महर्षि दयानंद सरस्वती का योगदान कालजयी एवं अतुलनीय है। अपने अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में शिक्षा व्यवस्था की दृष्टि देते हुए महर्षि ने लिखा कि सबको तुल्य खानपान एवं वस्त्र दिए जाए चाहे वह राजकुमार हो या दरिद्र की संतान हो। महाभारत युद्ध के बाद हमारे शिक्षा व्यवस्था की स्थिति बहुत विकृत हो गई महर्षि दयानंद ने एक व्यापक शिक्षा पद्धति दी इसके द्वारा हम न केवल भौतिक विकास ही कर सकते हैं अपितु देश का आध्यात्मिक एवं चारित्रिक विकास भी कर सकते हैं । डॉ रामचंद्र ने कहा कि महर्षि दयानंद पहले महामानव थे जिन्होंने भारत के आत्म स्वरूप वेदों का हिंदी में अनुवाद प्रस्तुत किया एवं ऋषियों के बीच के विरोध के स्वर को समाप्त करके दर्शनशास्त्र की एकता को विस्तारित किया। उन्होंने संस्कार विधि के रचना करके एक संपूर्ण एवं स्वस्थ मानव के निर्माण की आधारशिला रखी । महर्षि दयानंद को इस बात का भी श्रेय जाता है कि उन्होंने स्त्रियों के लिए वेदों को पढ़ने का दृढता पूर्वक समर्थन किया।वह महा मानव थे। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री सुनीता रसोट्रा व अध्यक्ष कुसुम भंडारी ने भी समाज उत्थान में महर्षि दयानन्द के योगदान की चर्चा की स परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए समग्र क्रांति का अग्रदूत बताया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका रचना वर्मा, सुनीता अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, कमला हंस, प्रवीना ठक्कर, रजनी चुग, रजनी गर्ग आदि के मधुर भजन हुए।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474
से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970